सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 151 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 6 जुलाई, 2024

मूल्य ₹ 3/-

कभी भी घमंड या अहंकार में अपना सर ऊंचा ना उठाएं। याद रखिये स्वर्ण पदक विजेता भी तभी पदक पाता है जब वो अपना सर झुकाता है।

-ब्रह्माकुमारी शिवानी

पीएम के इशारे पर मोबाइल धारकों पर... 7 | महाराष्ट्र, यूपी समेत कई राज्यों में... 3 | राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर... 2

नीट-यूजी की काउंसलिंग टालने पर कटघरे में आई एनडीए सरकार

विपक्ष ने प्रधानमंत्री व शिक्षा मंत्री पर उठाए सवाल

» कांग्रेस बोली- लाखों युवाओं का भविष्य इस सरकार के हाथों में सुरक्षित नहीं

» सुप्रीम कोर्ट से 8 जुलाई को आएगा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट यूजी परीक्षा से जुड़ी खबरें आना अभी बदं होने वाले नहीं है। जहां इस पेपर लीक मामले में संसद से कोर्ट तक बवाल मचा हुआ वहीं सियासत भी जारी है। स्नातक मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट यूजी काउंसलिंग को स्थगित कर देने के फैसले पर एनडीए सरकार पर कांग्रेस ने जमकर हमला बोला है। कांग्रेस ने पीएम मोदी व शिक्षा मंत्री पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बीजेपी व आरएसएस पर शिक्षा माफिया को बढ़ाने का आरोप लगाया है। वहीं इससे पहले केंद्र सरकार नीट परीक्षा रद ने करने लिए सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई है।

पीएम और शिक्षा मंत्री असंवेदनशील : जयराम

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने नीट यूजी काउंसलिंग स्थगित होने पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, पूरा नीट-यूजी मामला हर दिन बदतर होता जा रहा है। इससे साफ होता है कि प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री इस मामले में कितने अक्षम और असंवेदनशील हैं। हमारे लाखों युवाओं का भविष्य उनके हाथों में बिल्कुल सुरक्षित नहीं है।

बात दें सूत्रों से पता चला है कि नीट यूजी काउंसलिंग को अगली सूचना तक स्थगित किया गया है। यह स्थगन तब हुआ है जब उच्चतम न्यायालय ने आज से शुरू होने वाली नीट-यूजी काउंसलिंग में देरी करने से इनकार कर दिया था और कहा था कि यह कोई खुली और बंद प्रक्रिया नहीं है। उधर इस मामले में छात्रों की तरफ से 24 से ज्यादा याचिकाएं दायर की गई है। आगे की सुनवाई 8 जुलाई को सीजेआई चंद्रचूड़ के अध्यक्षता वाली बेंच करेगी।

केंद्र की सुप्रीम कोर्ट से गुहार, नीट परीक्षा न की जाए रद्द

नीट-यूजी मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर के परीक्षा को रद्द नहीं करने की मांग की है। इसको लेकर केंद्र सरकार ने कुछ तारों और तथ्यों को रखा है, केंद्र सरकार का कहना है कि अगर किसी भी तरह से पेपर के साथ छेड़छाड़ की गई है तो ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में कहा है कि नीट का इम्तिहान होने के बाद कुछ गड़बड़ियां, धोखाधड़ी, चीटिंग के मामले कथित तौर पर सामने आए हैं।

जल्द घोषित होंगी संशोधित तिथियां : एमसीसी

मेडिकल काउंसिलिंग कमेटी (एमसीसी) की ओर से जल्द ही नीट यूजी काउंसिलिंग के लिए नई डेट्स की घोषणा की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में इससे जुड़ी लंबित याचिकाओं की सुनवाई के बाद डेट की घोषणा की जा सकती है। काउंसिलिंग के माध्यम से मेडिकल, डेंटल और आयुष स्नातक कोर्सेस में अखिल भारतीय कोटा के तहत 15 प्रतिशत सीटों पर और डीयू, बीएचयू और एएमयू सहित डीम्ड विवि/विश्वविद्यालयों/ ईएसआईसी, एएफएमसी की सभी सीटों पर प्रवेश दिया जायेगा।

मुआवजा और बीमा में अंतर होता है : राहुल गांधी

राहुल गांधी एक बार फिर अग्निवीर योजना को लेकर सरकार पर बरसे हैं। कांग्रेस नेता ने शहीद अग्निवीर अजय कुमार के परिवार के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें सरकार से अभी तक कोई मुआवजा नहीं मिला है। राहुल ने एक्स पर एक वीडियो साझा कर कहा कि मृतक अग्निवीर के पिता कह रहे हैं कि उनके परिवार को एक निजी बैंक से बीमा के रूप में 50 लाख रुपये और सेना समूह बीमा कोष से 48 लाख रुपये मिले थे। राहुल ने परिवार को सरकार से कोई अनुग्रह राशि नहीं मिलने की बात कही और सवाल किया कि उनका बकाया वेतन उनके बैंक खाते में क्यों नहीं जमा किया गया है। वीडियो में राहुल गांधी ने दावा किया कि अजय कुमार के परिवार को सरकार से कोई वैसी सहायता नहीं मिली जो मिलनी चाहिए थी।

हाथरस कांड : गिरफ्तारियों पर सपा प्रमुख ने उठाए सवाल

छोटी-मोटी गिरफ्तारी करके अपनी नाकामी छिपा रही सरकार : अखिलेश

बसपा समेत विपक्ष ने योगी सरकार को घेरा

» सामने आया बाबा साकार हरि का वीडियो

» न्यायिक जांच आयोग की टीम हाथरस पहुंची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाथरस कांड हुए चार दिन बीत चुके हैं। अभी कुछ गिरफ्तारियां हुई हैं। इन गिरफ्तारियों पर सपा नेता अखिलेश यादव ने सवाल उठाए हैं। वहीं बसपा प्रमुख मायावती ने भी योगी सरकार से बिना स्वार्थ के जांच करवाने की बात कही है। उधर न्यायिक आयोग भी हाथरस पहुंच गई है। वहीं हादसे के बाद पहली बार सूरजपाल के बयान का वीडियो सामने आया है। उसने कहा कि 2 जुलाई को हुए हादसे के बाद वह बहुत दुखी हैं।

बाबा ने आगे कहा कि भगवान हमें इस दर्द को सहने की शक्ति दे।

उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुए हादसे पर प्रशासन की कार्रवाई को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा है। सपा अध्यक्ष ने इस मामले में छोटी-मोटी गिरफ्तारियों को षडयंत्र बताया और इन गिरफ्तारियों की न्यायिक जांच की मांग की। सपा प्रमुख ने एक्स पर उन्हें लिखे गए एक पत्र को शेयर करते हुए गिरफ्तारियों पर सवाल उठाए. ये चिट्ठी उन्हें हाथरस हादसे में पूछताछ के लाए गए रामलडैत यादव के बेटे अंकित यादव ने लिखी थी, जिसमें अंकित ने दावा किया है कि उसके पिता को घटनास्थल से दो किमी दूर थे लेकिन, फिर भी पुलिस उसके पिता को ले गई।

भाजपा सरकार को सत्ता में रहने का कोई हक नहीं

अगर भाजपा सरकार ये कहती है कि ऐसे आयोजन से उसका कोई लेना-देना नहीं था, तो फिर भाजपा सरकार को सत्ता में रहने का कोई हक नहीं। इस कार्यक्रम में आये अधिकांश गरीब लोग दुखी, शोषित, पीड़ित, वंचित, दमित थे, इस आधार पर इसका मतलब तो ये भी निकलता है कि ऐसे लोगों से भाजपा सरकार का कोई सरोकार नहीं है, जबकि सबसे पहले सरकार का ध्यान ऐसे लोगों की तरफ ही जाना चाहिए, निंदनीय!

जिसने भी अराजकता फैलाई है, उसे बख्शा नहीं जाएगा : बाबा सूरजपाल

बाबा का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कुछ सेकेंड तक तो बाबा मौन रहता है। इसके बाद कहता है कि भगवान हमें इस दर्द को सहने की शक्ति दे। कृपया सरकार और प्रशासन पर भरोसा रखें। मुझे विश्वास है कि जिसने भी अराजकता फैलाई है, उसे बख्शा नहीं जाएगा। सूरजपाल आगे कहता है कि हमने अपने वकील एपी सिंह के माध्यम से समिति के सदस्यों से अनुरोध किया है कि वे शोक संतप्त परिवारों और घायलों के साथ खड़े रहें और जीवन भर उनकी मदद करें। उसने कहा कि सभी इस जिम्मेदारी को निभा भी रहे हैं।

राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर हाथरस कांड में हो कार्रवाई : मायावती

बसपा प्रमुख बोलीं- गरीबों को भोले बाबा जैसे बाबाओं के अंधविश्वास के बहकावे में नहीं आना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाथरस के सिकंदराराऊ में हुई भगदड़ मामले में बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने लोगों को इन बाबाओं के चंगुल में न फंसने की सलाह दी है। यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने भोले बाबा जैसे अनेकों और बाबाओं के अन्धविश्वास व पाखंडवाद के बहकावे में आकर अपने दुख व पीड़ा को और नहीं बढ़ाने की बात कही है। मायावती ने भगदड़ में 121 लोगों की मौत को अति-चिंताजनक बताया है। उन्होंने बाबा भोले सहित अन्य जो भी दोषी हैं, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की अपील भी की है।

शनिवार को मायावती ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिये ये बातें कहीं। उन्होंने आगे लिखा कि बल्कि बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के बताए हुए रास्तों पर चलकर इन्हें सत्ता खुद अपने हाथों में लेकर अपनी तकदीर खुद बदलनी होगी अर्थात् इन्हें अपनी पार्टी बीएसपी से ही जुड़ना होगा, तभी ये लोग हाथरस जैसे कांडों से बच सकते हैं जिसमें 121 लोगों की हुई मृत्यु अति-चिंताजनक। मायावती ने लिखा कि हाथरस कांड में, बाबा भोले सहित अन्य जो भी दोषी हैं, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसे अन्य और बाबाओं के विरुद्ध भी कार्रवाई होनी जरूरी। इस मामले में सरकार को अपने राजनैतिक स्वार्थ में ढीला नहीं पड़ना चाहिए ताकि आगे लोगों को अपनी जान ना गवांनी पड़े।

तमिलनाडु में बसपा स्टेट हेड की हत्या मायावती ने की कार्रवाई की मांग

तमिलनाडु के बसपा प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या के मामले में बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कार्रवाई करने की मांग की है। मायावती ने एक्स पर जारी अपने बयान में कहा कि बसपा प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की आज शाम उनके चेन्नई आवास के बाहर की गयी हत्या की घटना दुखद व निंदनीय है। पेशे से वकील आर्मस्ट्रांग राज्य में दलितों की सशक्त आवाज़ के रूप में जाने जाते थे। सरकार दोषियों के खिलाफ अविलम्ब सख्त कार्रवाई करे।

8 संदिग्ध हिरासत में

तमिलनाडु में बहुजन समाज पार्टी के अध्यक्ष आर्मस्ट्रांग की घर में घुस कर हत्या मामले में 8 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। चेन्नई उत्तर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त असरा गर्ग ने कहा, हत्या के मामले में हमने अब तक 8 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। यह प्रारंभिक जांच है। हमने दस टीमें गठित की हैं। हम अपराधियों को सामने लाने के लिए काम कर रहे हैं। इन संदिग्धों से पूछताछ के बाद हम हत्या के पीछे के मकसद का पता लगा पाएंगे। कुछ धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया गया है।

भाजपा प्रत्याशी बहोरन लाल मौर्य निर्विरोध हुए निर्वाचित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की एक रिक्त हुई विधान परिषद की सीट के लिए नामांकन करने वाले भाजपा प्रत्याशी बहोरन लाल मौर्य निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। निर्वाचन अधिकारी ने विधान परिषद सदस्य निर्वाचन का प्रमाण पत्र जारी कर दिया है।

सपा में रहे स्वामी प्रसाद मौर्य के इस्तीफे के बाद विधान परिषद में एक सीट खाली हुई थी जिसके लिए भाजपा ने बहोरन लाल मौर्य को प्रत्याशी बनाया था। उनके सामने कोई और उम्मीदवार नहीं था ऐसे में उनकी जीत तय थी। बहोरन लाल मौर्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित भाजपा के बड़े नेताओं की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा में सामान्य कार्यकर्ताओं का महत्व है। मैं खुश हूं कि मुझे उम्मीदवार बनाया गया है।

अमृतपाल ने पंजाबी में ली सांसद पद की शपथ

» 50 मिनट परिवार से मुलाकात के बाद वापस डिब्रूगढ़ जेल गया अमृतपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। खडूर साहिब के सांसद और खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह ने बतौर सांसद शपथ ले ली है। शुक्रवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की मौजूदगी में उनके चैंबर में अमृतपाल ने पंजाबी में शपथ ली। इसके बाद उन्हें परिवार से मिलवाया और उसके बाद वापस डिब्रूगढ़ जेल ले जाया गया।

खडूर साहिब से सांसद बने अमृतपाल को शपथ दिलाने के लिए उन्हें असम की डिब्रूगढ़ जेल से कड़ी सुरक्षा में दिल्ली पहुंचाया गया था। सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में दिल्ली में उनके ठहरने का इंतजाम था। दोपहर करीब 12.30 बजे दिल्ली और पंजाब पुलिस के अलावा अन्य सुरक्षा एजेंसियों की कड़ी सुरक्षा के बीच अमृतपाल को संसद भवन लाया गया। जहां अमृतपाल ने स्पीकर ओम बिरला के चैंबर में शपथ ली। शपथ के बाद पिता, चाचा और भाई से अमृतपाल की मुलाकात कराई गई। परिवार की ओर से 8 लोगों से मुलाकात करने का पत्र दिया था, लेकिन सुरक्षा टीमों ने केवल तीन लोगों को ही मिलने की अनुमति दी। यह मुलाकात करीब 50 मिनट की रही। इसके बाद दोपहर दो बजे के करीब सुरक्षा टीमें अमृतपाल को दोबारा डिब्रूगढ़ जेल के लिए लेकर रवाना हो गईं।

मेरे खिलाफ सबूत है तो मुझे गिरफ्तार करें : तेजस्वी

» नीट प्रश्नपत्र लीक घोटाले पर बिहार सरकार पर बरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार पर नीट प्रश्नपत्र लीक घोटाले के लिए उन्हें दोषी ठहराने का प्रयास करने की आलोचना की। यादव ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को चुनौती दी कि अगर सबूत हैं तो उन्हें 'गिरफ्तार' करना चाहिए।

यादव ने ये टिप्पणियां राजद के गठन के 28 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कीं। उन्होंने सरकार पर भ्रष्टाचार और अपराध को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा, ''यह सरकार डबल इंजन होने का दावा करती है। एक इंजन भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है, दूसरा अपराध को बढ़ावा देता है।'' पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा, ''राज्य में हर मुद्दे का दोष तेजस्वी के सिर मढ़ा जा रहा है, चाहे वह पेपर लीक हो, पुल ढहने का मामला हो या हत्या का। अगर सरकार के पास मेरे खिलाफ कोई सबूत है, तो उन्हें आरोप लगाने के बजाय मुझे गिरफ्तार करना चाहिए। राजग में शामिल जनता दल (यूनाइटेड) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने इस बात पर जोर दिया है कि प्रश्न पत्र लीक मामले के एक प्रमुख संदिग्ध के यादव के निजी सहयोगी के साथ घनिष्ठ संबंध थे।

राजद ने राज्य के वरिष्ठ मंत्रियों पर बोला जवाबी हमला

विपक्षी दल राजद ने राज्य के वरिष्ठ मंत्रियों के साथ अन्य प्रमुख संदिग्धों की तस्वीरें जारी करके जवाबी हमला किया है। प्रश्न पत्र लीक का खुलासा पिछले महीने पटना पुलिस द्वारा कई लोगों को गिरफ्तार करने के बाद हुआ था। मामले को अब केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया गया है।

महागठबंधन सरकार के समय जारी 3600 करोड़ रुपये के टेंडर रद्द

बिहार सरकार पिछले महागठबंधन सरकार के समय की फाइलों को खंगालने में जुटी है। बिहार सरकार ने महागठबंधन सरकार के समय जारी हुए 3600 करोड़ रुपये के ग्रामीण जलापूर्ति कार्यों के टेंडर रद्द कर दिए हैं। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण (पीएचईडी) मंत्री नीरज कुमार सिंह ने बताया कि महागठबंधन सरकार के समय जारी हुए टेंडरों में खामियां पाई गईं, जिसके बाद ये फैसला लिया गया। अब विभाग जल्द से जल्द काम के लिए संशोधित निविदाएं जारी करेगा। मंत्री नीरज कुमार सिंह ने कहा कि विभाग की जांच के बाद ये निर्णय लिया गया है। जांच में पाया गया कि इन टेंडरों को जारी करने में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया और पर्याप्त क्षेत्रों को कवर नहीं किया गया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

स्टालिन ने बसपा नेता आर्मस्ट्रांग की हत्या पर दुख व्यक्त किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बोले- किसी भी दोषी को नहीं छोड़ेंगे

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या की घटना पर शनिवार को दुख जताया और कहा कि इस मामले के आरोपियों को मध्य रात्रि में गिरफ्तार कर लिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह आर्मस्ट्रांग की मौत से स्तब्ध और दुखी हैं। दोपहिया वाहनों पर सवार छह लोगों के एक समूह ने चेन्नई नगर निगम के पूर्व पार्षद आर्मस्ट्रांग की शुक्रवार को पेरम्बूर में उनके घर के पास हत्या कर दी थी। स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पुलिस ने हत्या में शामिल लोगों को रात भर चले अभियान के दौरान गिरफ्तार कर लिया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पुलिस को मामले की जांच तेजी से करने और दोषियों को कानून के अनुसार सजा दिलाने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा, ''मैं शोक संतप्त परिवार और उनके मित्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करता हूं।''

धीरे-धीरे फिर बढ़ रही है कांग्रेस!

महाराष्ट्र, यूपी समेत कई राज्यों में बढ़ रहा जनाधार

- देश की नई उम्मीद बनते जा रहे हैं राहुल
- नेता प्रतिपक्ष से जुड़ रहे आमलोग
- कई दलों के नेता कांग्रेस का हाथ थामने को बेताब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इसबार संपन्न हुए लोकसभा चुनाव ने जहां बीजेपी को झटका दिया है वहीं कांग्रेस को लाभ पहुंचाया है। इसबार के चुनावों में जहां कांग्रेस को 99 सीटें प्राप्त हुई हैं वहीं उसका पूरे देश में जनाधार भी बढ़ा है। यूपी, महाराष्ट्र,दक्षिणी राज्य तेलंगाना में कांग्रेस की ताकत बढ़ी है। इसका असर यह हो रहा है कि बहुत सी पार्टियों के नेता कांग्रेस की ओर जा रहे हैं। वहीं नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल गांधी के तेवर भी गंभीर हो गए हैं। वह जहां रेहरी पटरी वालों से मिलकर आमजन के बीच में अपनी छवि बना रहे हैं वहीं लोग भी कांग्रेस सांसद के साथ अपने को सहज पा रहे हैं।

राहुल भाषणों में भी आमजन से जुड़े मुद्दे ज्यादा से ज्यादा उठा कर लोगों को अपनी और जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी गरीब और पीड़ित लोगों के साथ हमेशा खड़े नजर आते हैं। भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के जरिये लोगों का दिल जीत चुके राहुल गांधी अब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बन गये हैं मगर उनके स्वभाव में जरा भी बदलाव नहीं आया है। वह लोगों का दुख दर्द जानने के लिए अक्सर उनके बीच पहुँच जाते हैं। संसद का सत्र खत्म हुआ तो राहुल सड़क पर उतर पड़े। एक दिन पहले वह दिल्ली में मजदूरों के साथ उनके अनुभव और समस्याएं जान रहे थे। आज वह उत्तर प्रदेश के हाथरस पहुँचे जहां भगदड़ की घटना में मारे गये लोगों के परिजनों से मुलाकात कर उनका दर्द समझा। राहुल गांधी जब पीड़ित परिवारों से मिल रहे थे या पीड़ित परिवार जब राहुल गांधी के साथ अपना दर्द साझा कर रहे थे, उस समय की तस्वीरों को देखेंगे तो यही लगेगा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल अब देश की नई उम्मीद बनते जा रहे हैं। यदि गरीब, मजदूर, पीड़ित और शोषित व्यक्ति को राहुल गांधी से उम्मीद दिख रही है तो यह कांग्रेस के लिए शुभ संकेत है। यह शुभ संकेत देश के लिए भी है क्योंकि उसे एक ऐसा नेता मिल गया है जो आम लोगों के बीच उनका दर्द जानने के लिए कभी भी पहुँच जाता है। प्रधानमंत्री भले राहुल गांधी को बालक बुद्धि कहें लेकिन वह हाथरस घटना के पीड़ित परिवारों से मिलने वाले पहले नेता हैं। राहुल गांधी जिस तरह आम लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को उभार रहे हैं और गरीबों तथा मजदूरों की हालत को दर्शा रहे हैं उससे सरकार के उन दावों पर भी सवाल उठता है जिसके तहत कहा जा रहा है कि गरीबों और वंचितों के जीवन में बड़ा बदलाव आ गया है।

तेलंगाना में बीआरएस के छह विधायक कांग्रेस में शामिल

तेलंगाना में के चंद्रशेखर राव (केसीआर) की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को एक बड़ा झटका लगा है। गुरुवार को बीआरएस के छह एमएलसी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल हो गए। पिछले साल विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद से ही बीआरएस के एमएलसी के पार्टी छोड़ने क सिलसिला जारी है। कांग्रेस में शामिल होने वाले छह एमएलसी में दांडे विट्ठल, भानु प्रसाद राव, एम एस प्रभाकर, बोग्गरापु दयानंद, येग्गे मल्लेशम और बसवाराजू सरैया शामिल हैं। सीएम रेवंत रेड्डी, तेलंगाना में एआईसीसी प्रभारी दीपा दासमुंशी और अन्य नेताओं की उपस्थिति में बीआरएस के एमएलसी कांग्रेस में शामिल हुए।

जनता ही मेरी एकमात्र पार्टी हैं : अजित पवार

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने लोगों से विकास के लिए उनका समर्थन करने की अपील की। उन्होंने बताया कि राजनीति में कदम रखने के बाद से ही वह अपनी पार्टी से जुड़े हुए हैं। उनके ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोप भी साबित नहीं हुए। उन्होंने कहा कि जनता ही उनकी पार्टी है और जनता का कल्याण करना ही उनकी प्राथमिकता है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने एक वीडियो मैसेज में कहा, लोग ही मेरी एकमात्र पार्टी है। मैं जो भी करूं, लोगों का कल्याण ही मेरी प्राथमिकता है। मैं हमेशा लोगों के फायदे के बारे में सोचता हूं। उन्होंने यह वीडियो लोक सभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद भाजपा, राकांपा और शिवसेना वाले सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के भीतर असंतोष की अटकलों के बीच जारी किया। लोकसभा चुनाव में महायुति ने महाराष्ट्र की 48 सीटों में से केवल 17 सीटों पर ही जीत हासिल

करने में कामयाब रही। भाजपा ने केवल नौ सीटों पर जीत हासिल की, जबकि 2019 में भाजपा ने महाराष्ट्र में 23 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं शिवसेना ने नौ सीटों पर और राकांपा को केवल एक सीट पर जीत मिली। पिछले हफ्ते विधानसभा में पेश किए गए बजट का बचाव करते हुए अजित पवार ने कहा कि उनके विरोधी उन्हें गालियां दे रहे हैं, क्योंकि वे नहीं चाहते कि विकास का फल नागरिकों को मिले। उन्होंने दावा किया कि उनके ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोप कभी साबित नहीं होंगे। यह कहते हुए अजित पवार ने अपने आलोचकों पर गंदी राजनीति में शामिल होने का आरोप लगाया। अजित पवार ने लोगों से केवल भाषणबाजी करने वाले राजनेताओं से दूर रहने और काम करने वाले राजनेताओं को वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि जो काम करते हैं उनकी आलोचना सबसे ज्यादा होती है। बता दें कि पिछले साल जुलाई में अजित पवार ने अपने चाचा और राकांपा के संस्थापक शरद पवार के खिलाफ विद्रोह कर दिया और भाजपा-शिवसेना के साथ गठबंधन में शामिल हो गए। बाद में उन्हें पार्टी का नाम और पार्टी चिह्न भी मिल गया, जबकि शरद पवार की पार्टी का नाम राकांपा-शरदचंद्र पवार रखा गया।

बीआरएस एमएलसी ने राहुल गांधी पर निशाना साधा

बीआरएस एमएलसी के दलबदल के बाद केटी रामा राव ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधा। केटीआर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, बीआरएस सांसद केशव राव ने कांग्रेस में शामिल होने के बाद इस्तीफा दे दिया। उनके फैसले का स्वागत है। लेकिन उन बीआरएस विधायकों का क्या जिन्होंने हारने के बावजूद कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा। उन आधे दर्जन बीआरएस विधायकों का क्या जो दलबदल कर कांग्रेस में शामिल

हो गए। राहुल गांधी क्या आप ऐसे ही संविधान को कयम रखेंगे। अगर आर बीआरएस विधायकों से इस्तीफा नहीं दिला सकते, तो देश को आपके ऊपर भरोसा कैसे होगा? आप कांग्रेस के घोषणापत्र के अनुसार, 10वें संशोधन के लिए प्रतिबद्ध थे। ये कैसा न्यायपत्र है।

विधान परिषद के चुनावों पर नजर

तेलंगाना विधान परिषद वेबसाइट के अनुसार, बीआरएस के पास 25 सदस्य, जबकि कांग्रेस के पास चार सदस्य हैं। 40 सदस्यीय सदन में दो सीटें खाली हैं। वहीं, चार नामित एमएलसी विधायक, एआईएमआईएम के दो सदस्य, भाजपा, पीआरटीयू के एक-एक और एक निर्दलीय सदस्य हैं। सीएम रेवंत रेड्डी के दिल्ली के दो दिवसीय दौरे से वापस आने के बाद ही बीआरएस विएमएलसी कांग्रेस में शामिल हुए। बीआरएस एमएलसी के कांग्रेस में शामिल होने के बाद अब विधान परिषद मे कांग्रेस की ताकत अब बढ़कर 10 हो जाएगी। बता दें कि पिछले साल विधानसभा चुनाव में 119 सीटों में बीआरएस को केवल 39 सीटों पर जीत मिली थीं। वहीं कांग्रेस ने 64 सीटों पर जीत हासिल की थीं। हाल ही में सिकंदराबाद छावनी से बीआरएस विधायक जी लस्या नंदिता की सड़क हादसे दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद यहां उपचुनाव कराए गए थे। उपचुनाव में कांग्रेस ने जीत हासिल की थी।

कांग्रेस नेता सुधाकरन पर काले जादू का आरोप

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी)के अध्यक्ष और कन्नूर से सांसद के. सुधाकरन के आवास पर काले जादू से जुड़ीं वस्तुएं मिलने का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में कुछ लोग कन्नूर स्थित सुधाकरन के आवास पर कथित रूप से काले जादू से संबंधित दफन वस्तुओं को निकालते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, इस वीडियो पर केपीसीसी अध्यक्ष की सफाई भी आई है। उन्होंने कहा कि यह पुराना वीडियो है और वह इस तरह की धमकियों से नहीं डरते हैं।केपीसीसी के अध्यक्ष सुधाकरन से जब यह पूछा गया कि दफन वस्तुओं को निकालते वक्त क्या वह मौके पर मौजूद थे तो उन्होंने कहा, 'आप उन्नीथन से पूरी जानकारी ले सकते हैं। ऐसी धमकियों से मुझपर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वहीं, जब पत्रकारों ने पार्टी मुख्यालय में इस तरह की सामग्री के कथित तौर पर मिलने के बारे में पूछा तो सुधाकरन ने कहा कि उन्होंने भी इस बारे में सुना है। हालांकि, उन्नीथन ने वीडियो पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वीडियो में एक तीसरा शख्स भी दिख रहा है। कयास लगाए जा रहे कि वो शख्स ज्योतिषी है। शख्स को वीडियो में थेय्यम की कुछ मूर्तियां, राख और अन्य रंगीन पाउडर निकालते हुए देखा गया था, जो कथित तौर पर काले जादू की रस्म के लिए इस्तेमाल किए गए थे। वीडियो में एक आदमी की आवाज सुनी गई, जो यह कहता सुनाई दिया की यह सब सामग्री काले जादू के लिए है। इससे सिर घूम जाएगा। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही तरह-तरह के सवाल उठने लगे। कांग्रेस के विचारक चेरियन फिलिप ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि इस आधुनिक वैज्ञानिक युग में जो लोग अंधविश्वास और काला जादू में विश्वास करते हैं और उसका पालन करते हैं, वे कायर हैं। उन्होंने कहा कि केरल समाज के लोगों ने अंधविश्वासों और कुरीतियों को नकार दिया है। जो लोग अभी भी जादू-टोना और अन्य गलत कामों में लिप्त हैं, वे केवल अपराधी हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

उपभोक्तावाद एवं शहरीकरण से बढ़ रही निष्क्रियता!

भारतीयों के स्वास्थ्य संबंधी एक रिपार्ट सबको हैरान करने वाली है। ग्लोबल हेल्थ रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आधी वयस्क आबादी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शारीरिक गतिविधि संबंधी मानदंडों को पूरा नहीं कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के वयस्कों में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता का पैमाना 2000 में 22.3 फीसदी से बढ़कर 2022 में 49.4 फीसदी हो गई है। ये रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है। इस रिपोर्ट सरकार के दावे को भी सवालों के घेरे में ला दिया है। जिसमे सरकार कहती है कि देश में जोश आया है। अब इस रिपोर्ट के बाद सरकारों की जिम्मेदारी है कि वह इस समस्या का समाधान तुरंत निकाले नहीं तो आने वाले समय में यह और घातक हो सकता है। वहीं इस रिपोर्ट में साथ ही बताया गया है कि देश में महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज्यादा शारीरिक रूप से ज्यादा निष्क्रिय हुई हैं। इस निष्क्रियता, आलसीपन एवं उदासीनता का कारण बढ़ते उपभोक्तावाद एवं शहरीकरण से उपजी सुविधावादी एवं आरामदायक जीवनशैली है। इसके कारण बीमारियां भी बढ़ रही है।

क्योंकि जब व्यक्ति को सुस्त, निढाल एवं निस्तेज देखा जाता है तो इसका सीधा अर्थ यही लगाया जाता है कि शायद उसकी तबीयत ठीक नहीं है। विडम्बना यह भी है कि समय के साथ विस्तृत होने दायरे के बीच ज्यादातर लोगों की व्यस्तता तो बढ़ी है, मगर उनकी शारीरिक सक्रियता, उत्साह एवं जोश में तेजी से कमी आई है, जो नये बनते भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प के सामने एक बड़ी चुनौती है। भविष्य के भारत को लेकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश की साठ प्रतिशत आबादी अगर शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं रहे तो आने वाले वक्त में यहां की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक रूप से कैसी तस्वीर बनेगी। भारत में बढ़ती शारीरिक अकर्मण्यता एवं आलसीपन एक समस्या के रूप में सामने आ रहा है, लोगों की सक्रियता एवं क्रियाशीलता में कमी आना एवं वयस्कों में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिन्ता का सबब है। इस दृष्टि से प्रतिष्ठित लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की वह हालिया रिपोर्ट आईना दिखाने वाली है जिसमें पचास फीसदी भारतीयों के शारीरिक श्रम न करने का उल्लेख है। महिलाओं की स्थिति ज्यादा चिंता बढ़ाने वाली है। उनकी निष्क्रियता का प्रतिशत 57 है। वैसे अकेले पुरुषों की निष्क्रियता का प्रतिशत 42 है। इस अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि अगर वर्तमान में तेजी से पसर रहा आलसीपन एवं शारीरिक निष्क्रियता इसी तरह जारी रहा तो 2030 तक भारत में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता वाले वयस्कों की संख्या बढ़कर साठ प्रतिशत तक पहुंच जायेगी, जो चिन्ताजनक है। अब नीति नियंताओं को इस पर सोचना होगा कि इस समस्या का समाधान कैसे निकालें।

ये रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है। इस रिपोर्ट सरकार के दावे को भी सवालों के घेरे में ला दिया है। जिसमे सरकार कहती है कि देश में जोश आया है। अब इस रिपोर्ट के बाद सरकारों की जिम्मेदारी है कि वह इस समस्या का समाधान तुरंत निकाले नहीं तो आने वाले समय में यह और घातक हो सकता है। वहीं इस रिपोर्ट में साथ ही बताया गया है कि देश में महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज्यादा शारीरिक रूप से ज्यादा निष्क्रिय हुई हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विपक्ष के ईमानदार कर्तव्य से लोकतंत्र को मजबूती

विश्वनाथ सचदेव

आखिरकार लोकसभा में विपक्ष के नेता की आवाज सुनाई दे ही गयी। ऐसा नहीं है कि राहुल गांधी पहले संसद में बोले नहीं, पर तब वह कांग्रेस के एक नेता के रूप में ही बोलते थे, पर अब उनकी आवाज पूरे विपक्ष की आवाज मानी जायेगी और जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा है, 'लोकतांत्रिक परंपराओं का तकाजा है कि वे नेता प्रतिपक्ष की बात ध्यान से सुनें', सोमवार को लोकसभा में दिये गये राहुल गांधी के भाषण को इस दृष्टि से देखा-सुना जायेगा। पिछले दस साल में हमारी लोकसभा में प्रतिपक्ष तो था पर नियमों के अनुसार नेता प्रतिपक्ष किसी को नहीं चुना जा सकता था। चुनावों में भाजपा को मिली सफलता इतनी 'भारी' थी कि विपक्ष की आवाज दब-सी गयी थी। इस बार ऐसा नहीं है। इस बार मतदाता ने भाजपा को सदन में सबसे बड़ा दल तो चुना है, पर उसे इतनी ताकत नहीं दी कि वह अपनी मनमानी कर सके।

आज देश में एक मिली-जुली सरकार है। बैसाखियों के सहारे चल रही है भाजपा के नेतृत्व वाली यह सरकार। भाजपा को सबसे बड़े दल के रूप में चुनने वाले मतदाता ने कांग्रेस को इतनी सीटें दे दी हैं कि उसका नेता सदन में प्रतिपक्ष के नेता के रूप में काम कर सके। सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष का यह संतुलन जनतंत्र को मजबूत बनाने वाला है। उम्मीद की जानी चाहिए कि भाजपा का नेतृत्व स्थिति को समझते हुए जनतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप कार्य करेगा और विपक्ष से भी यही उम्मीद की जाती है कि वह सकारात्मक भूमिका निभायेगा। संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के संदर्भ में हुई बहस से देश को ऐसी ही उम्मीद जगी है। चूंकि लोकसभा में दस साल बाद कोई नेता प्रतिपक्ष बना है इसलिए यह उत्सुकता होनी स्वाभाविक थी कि राहुल गांधी सदन में क्या और कैसे कहते हैं। नेता प्रतिपक्ष ने अपनी बात लगभग सौ मिनट में पूरी की और ऐसे अनेक मुद्दे उठाये जो मतदाता को सीधा प्रभावित करते हैं। नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्होंने जिस तरह से अपनी बात रखी उसने बहुतों को प्रभावित किया होगा।

यह कतई जरूरी नहीं है कि उनकी बातों से सहमत हुआ ही जाये, पर इतना तो स्वीकारना ही होगा कि राहुल गांधी ने अपनी बात मजबूती से देश के सामने रखी है और जो मुद्दे उन्होंने उठाये हैं वह सत्तारूढ़ गठबंधन को बेचैन करने वाले हैं। यह बात अपने आप में कम

महत्वपूर्ण नहीं है कि राहुल गांधी के वक्तव्य के दौरान प्रधानमंत्री और गृहमंत्री समेत छह केंद्रीय मंत्रियों को खड़े होकर प्रतिवाद करने के लिए बाध्य होना पड़ा। यही नहीं, गृहमंत्री ने तो स्पीकर महोदय से यह कहना भी जरूरी समझा कि वे विपक्ष के प्रति अधिक उदार हो रहे हैं! यह भी मांग की जा रही है कि नेता प्रतिपक्ष के भाषण में कही गयी बातों को सत्यापित कराया जाये। नेता प्रतिपक्ष ने अपने भाषण में कोई नया मुद्दा नहीं उठाया था कुल मिलाकर वही बातें की थीं जो विपक्ष अर्से से कहता आ रहा है। मसलन, मणिपुर में हुआ घटनाक्रम और प्रधानमंत्री का साल भर तक वहां न जाना, नीट परीक्षा में हुआ घोटाला, सेना में भर्ती की अग्निवीर योजना, किसानों को न्यूनतम दरों की गारंटी का सवाल, महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर पहले भी आरोप लगते रहे हैं। लेकिन नेता विपक्ष के रूप में राहुल गांधी ने सदन में जिस तरह इन मुद्दों को सामने रखा है वह सत्तारूढ़ पक्ष को विचलित करने वाला था। लेकिन एक मुद्दा जो सर्वाधिक विवादास्पद हो सकता है, वह धर्म को लेकर था। जब उन्होंने यह कहा कि 'स्वयं को हिंदू कहने वाले ही हिंसा की बात करते हैं' तो प्रधानमंत्री समेत समूचे सत्तारूढ़ पक्ष को जैसे कुछ कहने का आधार मिल गया। गृहमंत्री ने तो इस कथन के लिए राहुल गांधी से क्षमा मांगने के लिए भी कहा। निश्चित रूप से यह मुद्दा आने वाले कुछ दिन तक हमारी राजनीति पर छाया रहेगा, पर यह कहकर कि प्रधानमंत्री मोदी या भाजपा या संघ ही हिंदू नहीं हैं, नेता प्रतिपक्ष ने अपने कथन को स्पष्ट करने की कोशिश की थी। राहुल गांधी ने कहा, 'हमारे सभी महापुरुषों ने अहिंसक और भय मुक्त होने की बात कही है, पर आज जो स्वयं को हिंदू कहते हैं वे हिंसा, घृणा संस्कृति की बात ही करते हैं। आप हिंदू हो ही नहीं सकते।' हिंदुत्व का ठेका लेने वालों को भला यह बात कैसे स्वीकार हो सकती है, शोर मचना तो स्वाभाविक है। शोर तो इस बात पर भी मचेगा कि नेता प्रतिपक्ष धार्मिक आदि के चित्र लेकर क्यों आये?

बहरहाल, नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी का यह भाषण हमारी राजनीति में बहुत दिन तक गूंजेगा। भाजपा एक अर्से से, कम से कम पिछले दस साल से, यह असफल कोशिश करती रही है कि राहुल गांधी को राजनीति के लिए अपरिपक्व समझा जाये। पर आज सदन में उन्होंने जिस परिपक्वता का परिचय दिया है वह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब वह पहले वाले राहुल गांधी नहीं रहे।

प्राकृतिक संसाधनों का तार्किक उपयोग ही समाधान

ज्ञानेन्द्र रावत

प्रकृति के साथ छेड़छाड़ आज समूची दुनिया के लिए भयावह खतरे का सबब बन चुकी है। तापमान में वृद्धि, मौसम में बदलाव और जलवायु परिवर्तन इसके जीवंत प्रमाण हैं। इन प्रकोपों से दुनिया त्राहि-त्राहि कर रही है। इस सबके पीछे मानवीय गतिविधियां जिम्मेदार हैं जिसने दुनिया को तबाही के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। दुनिया में जिस तेजी से पेड़ों की तादाद कम होती जा रही है, हकीकत में उससे पर्यावरण तो प्रभावित हो ही रहा है, पारिस्थितिकी, जैव विविधता, कृषि और मानवीय जीवन ही नहीं, बल्कि भूमि की दीर्घकालिक स्थिरता पर भी भीषण खतरा पैदा हो गया है। विश्व बैंक ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से संबंधित रिपोर्ट में कहा है कि पर्यावरण प्रदूषण के चलते हो रही तापमान में बढ़ोतरी के लिए दैनंदिन घटती जैव विविधता और मानवीय गतिविधियां सबसे अधिक जिम्मेदार हैं।

जैव विविधता घटने की वजह से धरती लगातार गर्म होती जा रही है जिससे अंटार्कटिका और ग्रीनलैंड के साथ-साथ दुनिया में तीसरे सबसे अधिक बर्फ के भंडार माने जाने वाले कनाडा के ग्लेशियर संकट में हैं। इनके पिघलने से इस सदी के अंत तक दुनिया भर के समुद्र के जलस्तर में बढ़ोतरी हो जायेगी जिससे दुनिया के समुद्र तटीय बड़े शहरों के डूबने का खतरा बढ़ जायेगा। गौरतलब है कि प्रकृति मनुष्य की भोजन, पानी, साफ हवा, औषधि सहित जीवन की कई मूलभूत जरूरतों की पूर्ति करती है। लेकिन हमने भौतिक सुखों की चाह में प्रकृति के साथ छेड़छाड़ की जिसके कारण पर्यावरण तो बिगड़ा ही, जंगल, जीव और मनुष्य के बीच की दूरियां भी कम होती चली गयीं। दुनिया के वैज्ञानिक बार-बार कह रहे हैं कि इंसान जैव विविधता के खात्मे पर आमादा है। जबकि जैव विविधता का संरक्षण हमें बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समृद्ध जैव विविधता हमारे अस्तित्व का आधार है। यदि वनों की कटाई पर अंकुश नहीं लगा तो प्रकृति की लय बिगड़ जायेगी और उस स्थिति में वैश्विक स्तर पर तापमान में दो डिग्री की बढ़ोतरी को रोक पाना बहुत मुश्किल हो जायेगा।

ऐसी स्थिति में सूखा और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम से आर्थिक हालात और भी प्रभावित होंगे जिसकी भरपायी आसान नहीं होगी। अमेरिका की ए एंड एम यूनिवर्सिटी स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ के एक अध्ययन में खुलासा हुआ है कि पेड़-पौधों की मौजूदगी लोगों को मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होती है। अध्ययन में कहा गया है कि हरियाली के बीच रहने वाले लोगों में अवसाद की आशंका बहुत कम पायी गयी है। जैव विविधता न सिर्फ हमारे प्राकृतिक वातावरण के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि ऐसे वातावरण में रहने वाले लोगों के मानसिक कल्याण के लिए भी उतनी ही अहम है। बीते दो दशकों में समूची दुनिया में 78 मिलियन हेक्टेयर यानी 193 मिलियन एकड़ पहाड़ी जंगल नष्ट हो गये हैं। जबकि पहाड़ दुनिया के 85 फीसदी से ज्यादा पक्षियों, स्तनधारियों और उभयचरों के आश्रय स्थल हैं। गौरतलब यह है कि हर साल जितना जंगल खत्म हो रहा है, वह एक लाख तीन हजार वर्ग किलोमीटर में फैले देश जर्मनी, नार्डिक देश आइसलैंड, डेनमार्क, स्वीडन और फिनलैंड जैसे देशों के क्षेत्रफल के बराबर है। लेकिन सबसे बड़े दुख की बात यह है कि इसके अनुपात में नये जंगल लगाने की गति बेहद धीमी है।

लंदन के थिंक टैंक एनर्जी ट्रांसमिशन कमीशन की मानें तो समूची दुनिया में हर मिनट 17.60 एकड़ जंगल काटे जा रहे हैं। पर्यावरण विज्ञानी बर्नार्डो फ्लोर्स की मानें तो एक बार यदि हम खतरे के दायरे में पहुंच गये तो हमारे पास करने को कुछ नहीं रहेगा। यूके स्थित साइट यूटिलिटी बिडर की नयी रिपोर्ट की मानें तो जंगल बचाने की लाख कोशिशों के बावजूद दुनिया में वनों की कटाई में और तेजी आई है और उसकी दर चार फीसदी से भी ज्यादा हो गयी है। मौजूदा दौर की हकीकत यह है कि दुनिया में हर मिनट 21.1 हेक्टेयर में फैले जंगलों का खात्मा हो रहा है। फिर भी हम इस सबसे बेखबर से हैं। वर्ष 2004 के लिए नोबेल शांति पुरस्कार पाने वाली केन्या की पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री रहीं बंगारी मथाई का बयान महत्वपूर्ण है कि जल, जंगल और जमीन के मुद्दे आपस में गहरे तक जुड़े हुए हैं। हमने प्राकृतिक संसाधनों और लोकतांत्रिक प्रशासन को बखूबी समझा है। वैश्विक स्तर पर भी यह प्रासंगिक है।

प्राकृतिक संसाधनों का उचित प्रबंधन आज सबसे बड़ी जरूरत है। जब तक यह नहीं होगा, शांति कायम नहीं हो सकती। नोबेल पुरस्कार समिति की भी यही सोच है। समिति का भी मानना है कि पर्यावरण, लोकतंत्र और शांति के अंतर्संबंधों की पहचान जरूरी है। समिति ऐसे सामुदायिक प्रयासों को प्रोत्साहित करने की पक्षधर है जिससे धरती को बचाया जा सके। खासकर ऐसे समय में जब हम पेड़ों और पानी के साथ-साथ जैव विविधता की वजह से पारिस्थितिकी के संकट से जूझ रहे हैं। इस बात में कोई संदेह नहीं कि जब तक हम जल, जंगल, जमीन, खनिज और तेल जैसे संसाधनों का उचित प्रबंधन नहीं करेंगे तब तक गरीबी से नहीं लड़ा जा सकता। संसाधनों के उचित प्रबंधन के बगैर शांति कायम नहीं हो सकती। हम जिस रास्ते पर चल रहे हैं, यदि उसे नहीं बदला तो संसाधनों को लेकर नयी लड़ाइयां सामने खड़ी होंगी।

नींद की गुणवत्ता सुधारे

अपने कूलिंग इफेक्ट के लिए मशहूर जायफल आपकी नींद को बेहतर करने में मदद करता है। ऐसे में रोजाना इसका पानी पीने से इसमें मौदूद मिरिस्टिसिन और मैग्नीशियम जैसे कंपाउंड नींद की गुणवत्ता में सुधार करते हैं। ऐसे में सोने से पहले जायफल का पानी पीना अनिद्रा से जूझ रहे लोगों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

ओरल हेल्थ अच्छी रखे

जायफल का पानी पीने के आपको अपने ओरल हेल्थ बेहतर रखने में भी मदद मिल सकती है। इसमें पाए जाने वाले एंटी-बैक्टीरियल गुण ओरल इन्फेक्शन और सांसों से आने वाली बदबू से निपटने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा जायफल के पानी से गरारे करने से मसूड़ों की बीमारी का खतरा भी कम हो सकता है।

पाचन बेहतर बनाए

पारंपरिक रूप से जायफल का इस्तेमाल पाचन में सुधार के लिए किया जाता रहा है। यह डाइजेस्टिव एंजाइम्स को उत्तेजित करता है, खाना पचाने में मदद करते हैं और सूजन, गैस और कब्ज जैसी सामान्य पाचन समस्याओं से राहत दिलाते हैं।

ब्रेन हेल्थ में सुधार करे

जायफल में मौजूद मिरिस्टिसिन और मैसिलिग्नन जैसे असेंशियल ऑयल अपने न्यूरोप्रोटेक्टिव गुणों के लिए जाने जाते हैं। ये कंपाउंड कॉग्नेटिव फंक्शन को बढ़ा सकते हैं, याददाश्त में सुधार कर सकते हैं और अल्जाइमर जैसी न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों से भी बचा सकते हैं। वहीं एंटीऑक्सीडेंट और असेंशियल ऑयल से भरपूर जायफल आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में भी मदद करता है। इसमें मौजूद कंपाउंड आपके शरीर को इन्फेक्शन से बचाने के साथ ही फ्री रेडिकल्स से लड़ने और पुरानी बीमारियों के खतरे को कम करने में मदद करते हैं।

दिल-दिमाग और त्वचा के लिए है वरदान

जायफल

जायफल एक लोकप्रिय मसाला है जिसे विभिन्न व्यंजनों में इस्तेमाल किया जाता है। अपने स्वाद के अलावा यह मसाला अपने गुणों के लिए भी जाना जाता है। रोजाना सुबह जायफल का पानी पीने से सिर्फ दिल और दिमाग ही नहीं बल्कि पूरे सेहत बेहतर होती है। साथ ही यह त्वचा के लिए भी गुणकारी होता है। जायफल अपने बेहतरीन गुणों की वजह से सदियों से कई समस्याओं के समाधान के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इसे कई लोग नटमेग के नाम से भी जानते हैं। हालांकि, स्वाद के साथ ही यह मसाला सेहत को कई फायदे भी पहुंचाता है। यही वजह है कि रोजाना सुबह एक गिलास पानी में एक चुटकी जायफल मिलाकर पीने से स्वास्थ्य बेहतर होता है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल करे

उच्च रक्तचाप तब होता है जब धमनियों में रक्त का दबाव सामान्य से अधिक होता है। जायफल में भरपूर मात्रा में पोटेशियम पाया जाता है, जो ब्लड वेसल्स को फैलाने में मदद करता है, जिससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। साथ ही इसमें कैल्शियम, आयरन और मैंगनीज भी होता है, जो हार्ट को हेल्दी बनाने में मदद करता है। जिससे शरीर नार्मल बना रहता है।

त्वचा को हेल्दी बनाए

जायफल के एंटी- माइक्रोबियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा को लाभ पहुंचा सकते हैं। नियमित रूप से जायफल का पानी पीने से मुंहासों और दाग-धब्बे कम करने में मदद मिलती है। साथ ही इससे त्वचा साफ, स्वस्थ बनती है और इसकी रंगत भी निखरती है। यह त्वचा की लोच बनाए रखने और एजिंग के लक्षणों को कम करने में भी मददगार है।

हंसना मना है

पति (फोन पर पत्नी से)- तुम बहुत प्यारी हो...! पत्नी- थैंक्स...! पति- तुम बिल्कुल राजकुमारी जैसी हो...! पत्नी- थैंक्यू सो मच... और बताओ क्या कर रहे हो, पति- खाली बैठा था, सोचा मजाक ही कर लूं...! पत्नी आओ बेलन लेकर इंतजार कर रही हूं।

पति ने पत्नी से बड़े ही प्यार से कहा - काश तुम शक्कर होती, कभी तो मीठा बोलती... पत्नी- काश तुम अदरक होते, कसम से... जी भर के कूटती...! पत्नी का जवाब सुन कर पति बेहोश।

नए-नए डॉक्टर ने अपने जीवन का पहला ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के थोड़ी देर बाद ही मरीज मर गया। डॉक्टर ने दीवार पर टंगी भगवान की तस्वीर की ओर हाथ जोड़कर सिर झुकाते हुए पूरी श्रध्दा से कहा- हे प्रभु, मेरी ओर से यह पहली भेंट स्वीकार कीजिए...

लड़की- हम तेरे बिन अब रह नहीं सकते, तेरे बिना क्या वजूद मेरा। लड़का- कौन हो आप? लड़की- तुझसे जुदा अगर हो जाएंगे तो खुद से ही हो जाएंगे जुदा। लड़का- तुम सचमुच मुझसे शादी करोगी? लड़की- इस गाने को अपनी कॉलर ट्यून बनाने के लिए 8 दबाएं।

कहानी | कौवा और दुष्ट सांप

एक जंगल में किसी पेड़ पर कौवे का एक जोड़ा रहा करता था। वो दोनों खुशी-खुशी उस पेड़ पर जीवन बसर कर रहे थे। एक दिन उनकी खुशी को सांप की नजर लग गई। उसी पेड़ के नीचे बने बिल में सांप रहने लगा था। जब भी कौवों का जोड़ा दाना चुगने के लिए जाता, सांप उनके अंडों को खा जाता था और जब वो वापस आते, तो उन्हें घोंसला खाली मिलता था, लेकिन उन्हें पता नहीं चल पा रहा था कि अंडे कौन ले जाता है। एक दिन कौवे का जोड़ा दाना चुग कर जल्दी आ गया, तो उन्होंने देखा की उनके अंडों को बिल में रहले वाला एक सांप खा रहा है। इसके बाद उन्होंने पेड़ पर किसी ऊंचे स्थान पर छुपकर अपना घोंसला बना लिया। सांप ने देखा कि कौवों का जोड़ा पहले वाले स्थान को छोड़कर चला गया है, लेकिन शाम होते ही दोनों वापस पेड़ पर आ जाते हैं। कौवा के अंडों में से बच्चे निकल आए और वो बड़े होने लगे। एक दिन सांप को उनके नए घोंसले का पता चल गया और वह कौवों के जाने का इंतजार करने लगा। जैसे कौवे घोंसला छोड़ कर गए, सांप उनके घोंसले की ओर बड़ने लगा, लेकिन किसी कारण से कौवों का जोड़ा वापस पेड़ की ओर लौटने लगा। उन्होंने दूर से ही सांप को उनके घोंसले की ओर जाता देख लिया और जल्दी से वहां पहुंच कर अपने बच्चों को पेड़ की ओट में छुपा दिया। सांप ने देखा की घोंसला खाली है, तो वह कौवों की चाल समझ गया और वापस बिल में जाकर सही मौके का इंतजार करने लगा। कौवे ने एक योजना बनाई। कौवा उड़कर जंगल के बाहर बने एक राज्य में चला गया। वहां एक सुंदर महल था। महल में राजकुमारी अपनी सहेलियों के साथ खेल रही थी। कौवा उसके गले में से मोतियों का हार लेकर उड़ गया। सभी ने शोर मचाया, तो पहरेदार हार लेने के लिए कौवे का पीछा करने लगे। कौवे ने जंगल में पहुंचकर हार को सांप के बिल में डाल दिया, जिसे पीछे कर रहे सैनिकों ने देख लिया। जैसे ही सैनिकों ने हार निकालने के लिए बिल में हाथ डाला, तो सांप फुंकारता हुआ बाहर निकल आया। सांप को देखकर सैनिकों ने तलवार से उस पर हमला कर दिया, जिससे सांप घायल हो गया और अपनी जान बचाकर वहां से भाग गया। सांप के जाने के बाद कौवा अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी रहने लगा।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा।

वृषभ व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

मिथुन परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति की बातों में न आएं।

कर्क बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धनहानि संभव है, सावधानी रखें।

सिंह धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने में रुझान रहेगा।

कन्या व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

तुला व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

धनु भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा।

कुम्भ किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

मीन धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

रश्मिका मंदाना के हाथ लगा कुबेर का खजाना!

धनुष के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी रश्मिका

फिल्म कुबेर में रश्मिका मंदान साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धनुष के साथ स्क्रीन शेयर करती हुई दिखेंगी। धनुष के अलावा इस मूवी में सुपरस्टार नागार्जुन भी अहम किरदार में मौजूद हैं। इन कलाकारों की मौजूदगी से ये कहा जा सकता है कि कुबेर एक कमाल की मूवी साबित हो सकती है।

रश्मिका मंदाना साउथ सिनेमा की दिग्गज एक्ट्रेसेज में से एक मानी जाती हैं। अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म पुष्पा से उनके करियर को एक नई उड़ान मिली है। आने वाले समय वह बतौर एक्ट्रेस निर्देशक सेखर कम्मूला की अपकमिंग फिल्म कुबेर में नजर आने वाली हैं।

लंबे वक्त से इस मूवी को लेकर रश्मिका मंदाना का नाम चर्चा में बना हुआ है। इस बीच कुबेर से उनका फर्स्ट लुक वीडियो रिलीज कर दिया गया है। जिसमें वह पैसों से भरा लगेज निकालती दिख रही हैं। आइए एक नजर रश्मिका के इस वीडियो पर डालते हैं। बीते साल रणबीर कपूर स्टारर फिल्म एनिमल में गीतांजली की भूमिका अदा कर रश्मिका मंदाना ने फैंस को दिलों को आसानी से जीत लिया। यही कमाल वह कुबेर फिल्म के जरिए भी करती दिख सकती हैं। शुक्रवार को आदित्य म्यूजिक यूट्यूब चैनल पर कुबेर से रश्मिका का फर्स्ट लुक वीडियो रिलीज किया गया है।

इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि रश्मिका मंदाना एक गड्ढे में से पैसों से भरा बैग निकालती हुई दिख रही हैं। इसको देख ये कहा जा सकता है कि मूवी में एक्ट्रेस ने इस खजाने को छुपा रखा है और बाद में वह इसे निकाल रही हैं।

हालांकि इस नोटों से भरे बैग का क्या राज है, वो तो आपको कुबेर फिल्म की रिलीज के बाद पता लगेगा। लेकिन रश्मिका की इस वीडियो को देखने के बाद फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है।

बालीवुड में मैं लॉबिंग का हो चुका हूं शिकार : विवेक ओबेरॉय

बॉलीवुड | गपशप

विवेक ओबेरॉय कई सालों से इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं। एक्टर ने कई हिट फिल्में भी दीं। हालांकि, उनका करियर का ग्राफ बहुत ऊपर तक नहीं बढ़ पाया है। अब धीरे-धीरे उन्होंने फिल्मों से और इंडस्ट्री से दूसरी बन ली है। हाल ही में एक्टर ने इस बारे में खुलकर बात की है।

विवेक ओबेरॉय ने कहा, मैं पिछले कुछ समय से बाकी दूसरे बिजनेस को देख रहा हूं। मेरे करियर में एक समय ऐसा था, जब मैं लगातार हिट फिल्में दे रहा था। मेरी परफॉर्मेंस लोगों को पसंद आ रही थीं। फिर भी अगर आपको किसी और कारण से काम नहीं मिल रहा है, तो आप सिस्टम और लॉबी का शिकार हो गए हैं। इसके बाद आपके पास फिर दो ऑप्शन ही बचते हैं, या तो आप डिप्रेस हो जाओ।।। या फिर आप इसे चैलेंज के तौर पर लो। मैंने दूसरा रास्ता चुना और दूसरे बिजनेस शुरू कर दिए।

बता दें कि विवेक ओबेरॉय का सलमान खान के साथ पब्लिकली झगड़ा हो चुका है। विवेक ने सलमान पर उन्हें धमकाने का गंभीर आरोप भी लगाया था। विवेक ने इस मामले को लेकर 2003 में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की थी। मामला काफी बढ़ गया था। इसके बाद से ही विवेक का करियर डूब गया था।

उस समय के एक इंटरव्यू में कैटरीना कैफ ने भी विवेक के साथ काम करने से साफ मना कर दिया था। वहीं जब विवेक से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था कि वो लेडी मेरे साथ काम नहीं करना चाहती तो ये उनका विशेषाधिकार है। पर्सनली मैं अपने काम को ऐसे नहीं देखता हूं। मैं उस किसी भी इंसान के साथ काम कर सकता हूं,जिसकी जरुरत स्क्रिप्ट में होती है। मैं अपने डिसिजन में पर्सनल चीजों को नहीं जोड़ता हूं।

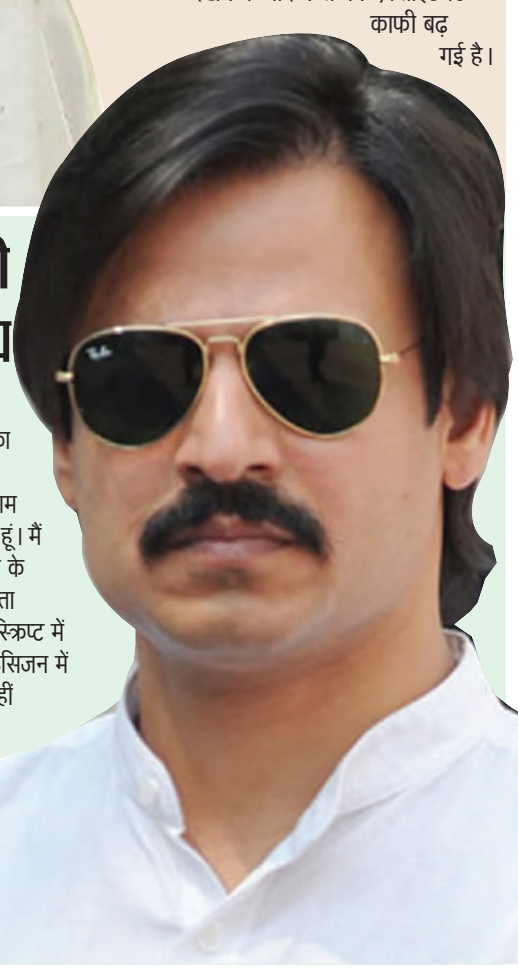

बॉलीवुड | मन की बात

नेपोटिज्म पर छलका कार्तिक का दर्द, कहा

मैदान सबके लिए एक जैसे नहीं होते

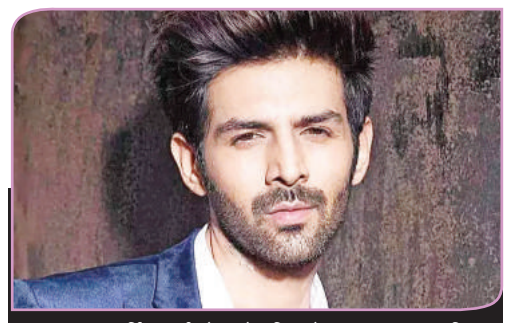

कार्तिक आर्यन ने अपने करियर में एक खास मुकाम हासिल किया है। आज उन्हें एक से एक बड़े प्रोजेक्ट के लिए कास्ट किया जा रहा है। कार्तिक उन कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने सिर्फ अपनी कड़ी मेहनत पर पहचान बनाई है। आज कार्तिक के चाहने वाले पूरी दुनिया में मौजूद हैं, जो उनकी हर फिल्म के लिए बेताब रहते हैं। आम लोगों के अलावा कई मशहूर हस्तियां भी कार्तिक के काम पर फिदा हैं। वहीं, अब एक्टर ने नेपोटिज्म पर खुलकर बात की है। उन्होंने अपने स्ट्रगल के दिनों को याद करते हुए बताया कि कभी वह भी शाहरुख के घर मन्नत के बाहर खड़े होकर किंग खान की एक झलक का इंतजार करते रहते थे। कार्तिक ने कहा, मुझे याद है उस दिन रविवार को मैं किंग खान को देखने के लिए बैंडस्टैंड गया था और वो अपनी कार में बैठकर वहां से निकल गए। मैं इसके बाद वहां से जा ही रहा था, लेकिन मुझे ऐसा लगा कि उन्होंने मुझे देखा है। वो मेरा स्पेशल संडे था। इसके अलावा कार्तिक से जब नेपोटिज्म पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि इस बारे में कहने के लिए और कुछ है नहीं। पहले भी इस पर कई बार बात हो चुकी है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इंडस्ट्री का नेचर ही यही है और इसे कोई बदल नहीं सकता। इंडस्ट्री में ये मुद्दा गर्म रहता है और इस पर लंबी बहस होती रहती है। यह विषय बाहरी लोगों के अलावा स्टार किड्स के बीच भी चर्चा में रहा है। हालांकि, एक्टर का कहना है कि इसके लिए किसी को भी दोष नहीं दिया जा सकता। कई बार स्टार किड्स और बाहरी लोगों के लिए मौके समान नहीं रहते हैं और इस पर आप कुछ कर भी नहीं सकते। दूसरी ओर कार्तिक के वर्कफ्रंट की बात करें तो इस समय उन्हें कई प्रोजेक्ट्स के लिए कास्ट किया जा रहा है। पिछले ही दिनों एक्टर को चंदू चैम्पियन में देखा गया था। इस फिल्म के लिए उन्हें आम लोगों के अलावा मशहूर सितारों के बीच भी काफी पसंद किया गया था।

मोटरसाइकिल पर क्यों लगाते हैं रंगीन झंडे, क्या होता है इनका मतलब?

आजकल पहाड़ों पर मोटरसाइकिल राइड करना ट्रेंड बनता जा रहा है। इस वजह से शहरों की भीड़भाड़ से निकलकर लोग पहाड़ों पर जाते हैं और पहाड़ों के खूबसूरत नजारों के बीच बाइक चलाते हैं। अगर आपने कभी पहाड़ों पर किसी को बाइक चलाते देखा होगा, तो उनकी मोटरसाइकिल पर रंग-बिरंगे झंडों पर भी गौर किया होगा। क्या कभी आपने सोचा है कि आखिर लोग ऐसे रंगीन झंडे अपनी बाइक पर क्यों लगा लेते हैं? सिर्फ बाइक ही नहीं, उत्तराखंड-हिमाचल प्रदेश के कई मंदिरों पर भी आपको ये झंडे दिख जाएंगे। आखिर इसका मतलब क्या होता है? चलिए आपको बताते हैं। तिब्बत नन प्रोजेक्ट वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार ये तिब्बती प्रार्थना ध्वज होते हैं। तिब्बत में लोग इसे पवित्र ध्वज मानते हैं। ये 5 झंडों के सेट में आता है, जो 5 अलग-अलग रंग के होते हैं। नीला, सफेद, लाल, हरा और पीला झंडा बाएं से दाएं के क्रम में होता है। इन सभी रंगों के अलग-अलग मतलब होते हैं-नीला- आकाश, सफेद- वायु, लाल- अग्नि, हरा- जल,पीला- धरती। बहुत से लोग इन्हें अलग-अलग लगा लेते हैं, पर ऐसा नहीं करना चाहिए। इन ध्वजों को साथ में ही लगाना चाहिए, क्योंकि ये प्रकृति के 5 तत्वों को दर्शाते हैं। स्पिरिचुअल ट्रैवल्स वेबसाइट के अनुसार ये झंडे शांति, और करुणा की भावना दर्शाने के लिए लगाए जाते हैं। ये तिब्बती बौद्ध धर्म की मान्यताओं से जुड़े हैं और धर्म में इसका अहम किरदार है। इन्हें तिब्बती संस्कृति में डार-चो कहते हैं। डार का अर्थ है जीवन, धन, संपत्ति और स्वास्थ को बढ़ाना वहीं चो का अर्थ है सभी संवेदनशील प्राणी। जब ये ध्वज हवा में उड़ते हैं, तो माना जाता है कि हवा में लहराने की वजह से इनकी ऊर्जा दूर-दूर तक जाती है और मानवता का कल्याण करती है। इन ध्वजों के ऊपर बौद्ध मंत्र लिखे होते हैं, जिनका जाप किया जाता है। माना जाता है कि हवा चलने से ध्वज उड़ते हैं और मंत्र का प्रवाह वातावरण में हो जाता है। इन ध्वजों पर ये मंत्र विशेष रूप से लिखे होते हैं-'ओं मणिपद्मे हूं' (ओम मणि पदमे हम) जिसका अर्थ है 'कमल में रत्न'। माना जाता है कि इस मंत्र का ध्यान मुद्रा में जाप करने से इंसान अपने अंदर के अहंकार, ईर्ष्या, घमंड, लालच, और घृणा के भाव को दूर करता है और कमल में रत्न की तरह स्वच्छ हो जाता है। ये ध्वज दो तरह के होते हैं, लुंग-टा और दारचोग। इन ध्वजों को सम्मान और श्रद्धा भाव से ही घरों में, मंदिरों में और बाइक पर लगाया जाता है।

अजब-गजब | इस देश में जींस पहनने पर है बैन, मिलती है सजा

इस देश में जींस को माना जाता है अमेरिकी साम्राज्यवाद का प्रतीक

पहनावे को लेकर दुनियाभर में कई अंतर देखने को मिलते हैं। कहीं पर लोग पारंपरिक पोशाके पहनते हैं। ज्यादातर देशोकं में पुरुषों का पहनावा एक जैसा ही होता है। वहीं अमीर से लेकर गरीब तक सभी लोगों में जींस काफी पॉपुलर है। लेकिन क्या आपको पता है कि एक जगह ऐसी भी है जहां जींस पहनने पर बैन लगा हुआ है। इस देश में लोग जींस चाहकर भी नहीं पहन सकते हैं। जानते हैं कि यहां जींस पहनने पर बैन क्यों लगा हुआ है।

दरअसल, एक देश ऐसा है जहां हर तरह की जींस पहनने पर बैन है। इस देश का नाम है उत्तर कोरिया। बता दें कि अजीबोगरीब कानूनों को लेकर उत्तर कोरिया पहले से ही काफी बदनाम है। आपको जानकर हैरानी होगी कि उत्तर कोरिया में लोग जीन्स नहीं पहन सकते। यहां जीन्स पहनने पर सजा मिलती है।

दरअसल, उत्तर कोरिया में नीली जींस, या जींस अमेरिकी साम्राज्यवाद का प्रतीक मानी जाती है। दरअसल, उत्तर कोरिया, अमेरिका को अपना कट्टर दुश्मन मानता है। ऐसे में जीन्स पहनने पर बैन लगाकर पश्चिम और अमेरिका के खिलाफ की गई कार्यवाही माना जाता है। वहीं उत्तर कोरिया ने साल 2009 में स्वीडन को जींस निर्यात करने की योजना बनाई थी, ताकि वहां के पब डिपार्टमेंट स्टोर इसे नोको ब्रांड के नाम से बेच सकें। लेकिन दुनिया भर में इसका विरोध इतना हुआ कि यह योजना खटाई में पड़ गई। खास बात यह है कि कई लोग मानते है कि उत्तर कोरिया में जींस बनाने की इजाजत तो है, लेकिन उन्हें पहनने की नहीं है। लेकिन यहां के अंदर की सारी जानकारी पूरी तरहे से नियंत्रित होती है। बाहरी दुनिया तक पहुंचने वाली कोई भी जानकारी भी अधूरी हो सकती है। क्योंकि कोई भी इसकी पुष्टि करने की स्थिति में नहीं है। लेकिन प्रचलित जानकारी यही मानी जाती है कि उत्तर कोरिया में जींस पहनने पर पाबंद है।

दूरसंचार कंपनियों के दाम बढ़ाने पर सुरजेवाला ने सरकार को घेरा

पीएम के इशारे पर मोबाइल धारकों पर डाला गया बोझ

» हाल ही में जियो और एयरटेल ने अपने टैरिफ प्लान के दामों की है बढ़ोत्तरी

» बोले- यूजर्स से 34,824 करोड़ वसूलने की दी गई छूट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने रिलायंस जियो, वोडाफोन और एयरटेल सहित तीन निजी दूरसंचार कंपनियों द्वारा बिना किसी निरीक्षण और विनियमन के 3 और 4 जुलाई, 2024 से अपनी सेवा दरें बढ़ाने को लेकर केंद्र सरकार पर हमला किया। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर साठगांठ वाले पूंजीवाद का आरोप लगाया और भारत में 1.09 अरब मोबाइल उपयोगकर्ताओं के प्रति अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटने का आरोप लगाया।

सुरजेवाला ने कहा कि शासन के तहत और मोदी सरकार की सहमति से तीन निजी दूरसंचार कंपनियों ने अपनी सेवा दरें बढ़ा दी हैं। इससे उनके 109 करोड़ (1.09 बिलियन) उपयोगकर्ताओं को सामूहिक रूप से लगभग 35,000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। कांग्रेस प्रवक्ता ने उल्लेख किया कि देश में 1.19 अरब मोबाइल उपयोगकर्ताओं में से 1.09 अरब लोग इन तीन निजी कंपनियों की सेवाओं पर निर्भर हैं, जिनकी बाजार हिस्सेदारी लगभग 92 प्रतिशत है। यह दावा करते हुए कि तीनों कंपनियों ने टैरिफ में लगभग समान प्रतिशत की वृद्धि की है और यह एक ही समय से प्रभावी होगी, सुरजेवाला ने कहा, यह अद्वितीय है कि विभिन्न निवेश, विभिन्न ग्राहक आधार, लाभप्रदता और पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं वाली कंपनियों में कैसे वृद्धि हुई है 48 घंटों के भीतर कीमतों में लगभग समान प्रतिशत की वृद्धि हुई।

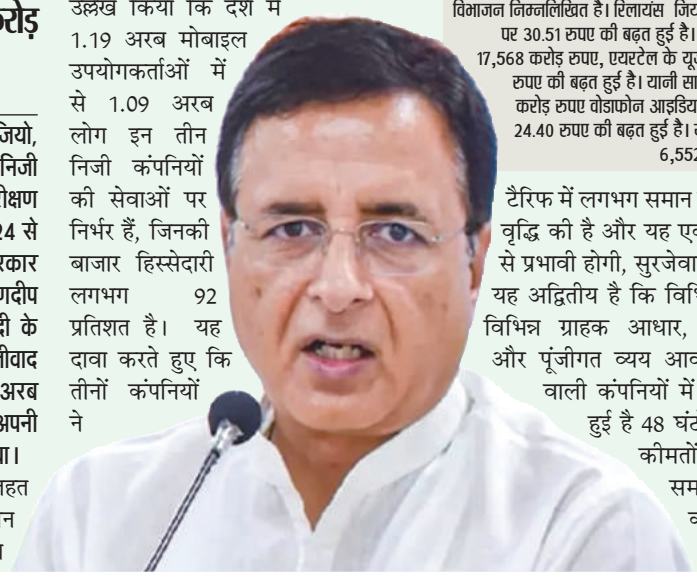

खुली लूट की छूट दी

सुरजेवाला ने कहा कि सेल फोन रेट वृद्धि से 109 करोड़ सेल फोन यूज़र्स को प्रति वर्ष? 34,824 करोड़ अतिरिक्त देने पड़ेंगे। और बढ़े हुए शुल्क का कंपनीवार विभाजन निम्नलिखित है। रिलायंस जियो के हर यूजर पर 30.51 रुपए की बढ़त हुई है। यानी सालाना 17,568 करोड़ रुपए, एयरटेल के यूजर्स पर 22.88 रुपए की बढ़त हुई है। यानी सालाना-10,704 करोड़ रुपए वोडाफोन आइडिया के यूजर्स पर 24.40 रुपए की बढ़त हुई है। यानी सालाना-6,552 करोड़ रुपए।

राहुल की लोको पायलट्स से मुलाकात पर सियासत

» सीपीआरओ दीपक कुमार ने कहा- बाहर के थे लोग

» हर परिस्थिति पर मंजिल तक पहुंचाने वाले जांबाज लोको पायलट कुशल सारथी : राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे और लोको पायलट्स से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद सियासत शुरू हो गई हैं। रेलवे ने यह कह कर कि वो पायलट्स उनके यहां के नहीं थे सियासी बवाल मचा दिया। बीजेपी ने इसको लेकर कांग्रेस पर हमला किया है। बता दें कांग्रेस ने कहा था कि राहुल गांधी ने पूरे देश में लगभग 50 लोको पायलटों से मुलाकात कर चुके हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि हर परिस्थिति पर मंजिल तक पहुँचाने वाले जांबाज लोको पायलट कुशल सारथी बताया। राहुल गांधी के लोको पायलटों से मिलने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर आने के बाद उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) दीपक कुमार ने कहा कि विपक्ष के नेता ने जिन क्रू मेंबर्स से रेलवे स्टेशन पर चर्चा की। आगे कहा कि वे उनके लॉबी से नहीं थे, बल्कि बाहर से आए हो सकते हैं। सीपीआरओ दीपक कुमार ने बात करते हुए कहा कि दोपहर करीब 12:45 बजे राहुल गांधी नई दिल्ली रेलवे स्टेशन आए। उन्होंने हमारी क्रू लॉबी देखी। उनके साथ 7-8 कैमरामैन थे। उन्होंने हमारी क्रू लॉबी का दौरा किया और यह जांच की कि हम अपनी क्रू लॉबी कैसे बुक करते हैं। आगे यह भी कहा कि क्रू लॉबी से बाहर आने के बाद उन्होंने कुछ लोगों से चर्चा की। वहां करीब 7-8 क्रू मेंबर्स थे जो हमारी लॉबी से नहीं थे, लेकिन ऐसा लगता है कि वे बाहर से आए थे। चूंकि उनके पास 7-8 कैमरामैन थे, इसलिए वे उनका वीडियो बना रहे थे और रील बना रहे थे।

ब्रिटेन में लेबर पार्टी की जीत पर थरूर ने भाजपा पर कसा तंज

» कांग्रेस नेता बोले- अबकी बार 400 पार, लेकिन दूसरे देश में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ब्रिटेन के आम चुनाव में 14 साल बाद कंजर्वेटिव पार्टी के शासन का अंत हुआ। लेबर पार्टी ने इस चुनाव में 400 का आंकड़ा पार करते हुए ऐतिहासिक जीत हासिल की। ब्रिटेन के आम चुनाव को लेकर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने भाजपा नीत एनडीए पर तंज कसा। दरअसल, हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 400 सीटें जीतने का दावा किया था। हालांकि, भाजपा नीत एनडीए ने बहुमत का आंकड़ा तो हासिल किया, लेकिन 400 पार के लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाया।

ब्रिटेन में लेबर पार्टी के 400 से ज्यादा सीटें पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आखिरकार अबकी बार 400 पार हुआ, लेकिन किसी दूसरे में। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए शशि थरूर ने कहा, आखिरकार अपकी बार 400 पार हुआ, लेकिन किसी दूसरे देश में। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भी तंज कसा। उन्होंने कहा,ब्रिटेन में इस परिवर्तन के बीच एक महीने पहले भारत में हुए राजनीतिक घटनाओं को याद करना उचित होगा।

एसजीपीसी ने की कंगना रनौत पर केस दर्ज करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की कार्यकारिणी की बैठक में हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ केस दर्ज करने का प्रस्ताव पास किया गया है। एसजीपीसी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि कार्यकारिणी ने प्रस्ताव कर भाजपा सांसद कंगना के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की गई। उन्होंने कहा कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार का कंगना के पंजाब विरोधी व नफरत भरे भाषण पर कार्रवाई न करना राज्य के प्रतिनिधित्व से मुंह मोड़ने जैसा है।

वहीं, कार्यकारिणी ने एक और प्रस्ताव पास करते हुए सरकार से पिछले दिनों राजस्थान में न्यायिक परीक्षा में अमृतधारी सिख अभ्यर्थियों को धार्मिक कटार उतारने के लिए मजबूर करने के मामले में दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

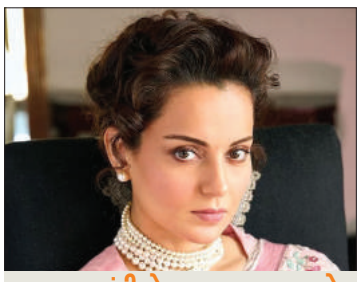

राहुल गांधी के अभय मुद्रा वाले बयान पर जताई आपत्ति

एसजीपीसी ने संसद में नेता विपक्ष राहुल गांधी की ओर से अभय मुद्रा को सिखों के पहले गुरु साहिब से जोड़ने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि पवित्र गुरबाणी और गुरुओं की शिक्षाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। इसे राजनीतिक बहस का हिस्सा नहीं बनना चाहिए। इस संबंध में पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि अकसर राजनेता गुरुओं के मूल सिद्धांतों और पवित्र गुरबाणी के अर्थ की भी गलत व्याख्या करते हैं, जिससे सिखों की भावनाएं आहत होती हैं।

दो महीने से चक्कर लगा रहा पीड़ित, नहीं मिला जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र

» सफाई कर्मचारी को दी गयी है प्रमाण पत्र बनाने की जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीड़ित अभिजीत सिंह कई माह से जन्म-मृत्यु प्रमाण की रिपोर्ट लेने के लिए जोन-6 नगर निगम लखनऊ के चक्कर लगा रहा है पर उसे अब तक प्रमाण पत्र नहीं मिला। अभिजीत सेक्टर-क्यू अलीगंज के निवासी हैं।

पीड़ित को कागज जमा करने की कोई रिसीव नम्बर नहीं दिया गया और कहा कि आप जायें काम हो जायेगा। वहां अंकुश सफाई कर्मचारी के पद पर तैनात है जो कि जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र का काम करता है और इस कार्य के एवज में 2500-3000 रुपये की मांग करता है और बदतमीजी से बात करता है, जिन व्यक्ति द्वारा मना कर दिया जाता है तो यह प्रमाण-पत्र बनवाने में इतनी कठिनाईयां उत्पन्न करता है। वह व्यक्ति जोन में प्रमाण-पत्र नहीं बनवा सकता है।

कानपुर में चैंपियन कुलदीप का जोरदार स्वागत

» विश्वकप टी-20 के अनुभव किए साझा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। भारतीय टीम ने विदेशी धरती पर टी-20 वर्ल्डकप जीत कर इतिहास रच दिया है। स्वदेश लौटी टीम इंडिया का जोरदार स्वागत किया गया। वहीं भारतीय टीम के सदस्य कुलदीप यादव का शुक्रवार देर रात कानपुर अपने घर पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ। कुलदीप ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बारे में बताया कि उन्होंने कहा कि तुम्हें कुलदीप कहूं या देशदीप। पीएम मोदी ने कहा कि ऐसे ही खेलते रहो और ट्रॉफी जीतकर देश का नाम रौशन करते रहो।

कुलदीप ने बताया कि पीएम ने मुझसे कप्तान रोहित शर्मा को भी अपने इशारे पर नचाने के बारे में पूछा जिसपर मैंने हंसते हुए उनसे यही कहा कि मैं केवल उन्हें स्टेप बता रहा था लेकिन वह भी वह सही से कर नहीं सके। उनके पिता राम सिंह यादव और कोच कपिल पांडेय समेत कई साथी खिलाड़ी लखनऊ अमौसी एयरपोर्ट गए थे। रात साढ़े नौ बजे फ्लाइट लखनऊ आई। वह देर रात 11: 20 बजे घर पहुंचे। सबसे पहले वह अपने कोच कपिल पांडेय के घर गए। फैंस का कहना है कि कुलदीप ने कानपुर शहर का नाम रोशन किया। कुलदीप ने अपनी बॉलिंग से इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने बल्लेबाजों पर दबाव बनाकर रखा। शहरवासियों के यह बड़े ही गर्व की बात है। भारतीय टीम ने पूरे देश का सिर गौरव से ऊचां कर दिया है।

घर में मां ने उतारी आरती

कुलदीप के आते ही ढोल की ढाप पर स्वागत किया गया। घर में मां ने लाडले की आरती उतारी। बता दें कि विश्व चैंपियन बनने वाली भारतीय टीम गुरुवार को देश लौट आई है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर शनिवार को टी-20 विश्व कप जीता था।

गोमती नगर विस्तार सेक्टर-6 में समस्याओं का अंबार

लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारी लापता

आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं निवासी

» मुख्य मार्ग के बीचोबीच बना मकान, लोग परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण को करोड़ों की कमाई देने वाले गोमती नगर विस्तार सेक्टर 6 विकास के इतने साल भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। यहां सुविधाओं के नाम पर ना आज तक वहां पानी की टंकी से जलापूर्ति है और न ही पार्क विकसित किए गए हैं और सड़क की स्थिति तो बहुत ही दयनीय है।

अव्यवस्थाओं की हद तो इस बात से आप समझ सकते हैं कि नक्शे में दिखाए हुए सड़क 6ई/239 वैष्णव खण्ड गोमती नगर विस्तार जो मुख्य मार्ग से मिलती है उसके बीचो-बीच एक मकान बना हुआ है जिस पर प्रधानमंत्री आवास तक लिखा हुआ है इसकी शिकायत जब लखनऊ विकास प्राधिकरण में की जाती है तो वह एक दूसरे पर ठीकरा फोड़ते हुए दिखाई पड़ते हैं अभियंत्रण विभाग कहता है कि यह हमारा कार्य नहीं है यह अर्जन विभाग का कार्य है। अर्जन विभाग कार्य करने को तैयार नहीं है। ऐसे में आवंटी यह परेशान होते हैं कि आखिर हम इसकी शिकायत करें तो करें किससे।

कई बार एलडीए में की गई शिकायत : सुमित

“वैष्णव खण्ड सेक्टर 6 जनकल्याण समिति के सचिव सुमित सिंह ने बताया कि पूर्व में भी इसकी सूचना कई बार लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को दी गई है। साथ ही साथ सचिव ने बताया कि पिछले वर्ष नालियों के जाम होने से स्थिति यह हो गई थी कि कार तक डूब गई थी लोग अपने घरों में कैद होने पर मजबूर हो गए थे परंतु इस बार भी लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा अभी तक उस पर कुछ ऐसा कार्य नहीं किया गया जो स्थाई हो।बार-बार पत्राचार करने और दबाव बनाने के पश्चात आनन फानन में नाली खोजना शुरू किया गया जिसमें उषा हॉस्पिटल के पास यह निकाल कर आया कि नाली कनेक्ट ही नहीं है उसके ऊपर सड़क बना दी गई है अब उसको तुड़वाया जा रहा है।

पार्क के झूले टूटे, विभाग करता है किनारा : नीलिमा

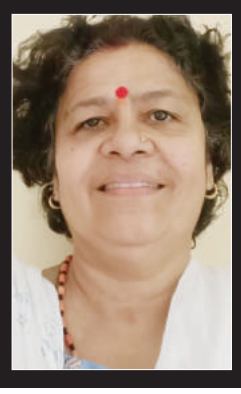

“समिति के अध्यक्ष नीलिमा जोशी ने बताया कि वैष्णव पार्क और बुद्ध तीर्थ उद्यान जैसे पार्कों में स्थिती यह है कि मुख्य गेट कभी भी टूट कर गिर सकता है जगह-जगह इंटरलॉकिंग निकली हुई है बच्चों के झूले तक टूटे हुए हैं परंतु बार-बार टेंडर का बहाना बनाकर बात को टाल दी जाती है और आश्वासन दिया जाता है कि टेंडर खुलते ही यह सारे कार्य हो जायेंगे परंतु कई वर्षों से वह टेंडर खुला ही नहीं रहा है। इतना ही नहीं इंटरलॉकिंग सड़क के किनारे भी नहीं लगाई गई है जिससे धूल मिट्टी क्षेत्र में इतना उड़ता है कि रहना दुश्वार हो रहा है। सीवर आज तक मुख्य नालों से नहीं जुड़ा है जिससे सीवर का पानी सड़कों पर आ जाता है।

बिजली शुल्क शहरी, वितरण ग्रामीण फीडर से : डीके त्रिपाठी

“समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डीके त्रिपाठी ने बताया कि गोमती नगर विस्तार सेक्टर 6 वैष्णव खण्ड में बिजली का कनेक्शन ग्रामीण फीडर से किया गया है और उसका शुल्क शहरी फीडर की तरह लिया जाता है। ग्रामीण फीडर होने की वजह से बिजली कटौती अक्सर होती रहती है इसकी शिकायत करने के पश्चात भी फीडर चेंज नहीं किया गया है। इतना ही नहीं 3300 केवीए के तार खुले में पड़े हैं जो की अंडरग्राउंड होने चाहिए स्थिति तो यह है कि कहीं-कहीं तार पड़े पड़े कट भी गया है और वह कटे तार नालों के संपर्क में है जो किसी दिन बड़े हादसे को दावत दे रहा है। इतना ही नहीं बिजली के खंबे से लाइट कनेक्शन ही नहीं है।

रेलवे की लापरवाही आयी सामने मुंबई में टला बड़ा रेल हादसा

» कसारा स्टेशन के पास पंचवटी एक्सप्रेस के डिब्बे हुए अलग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई में एक बड़ा रेल हादसा होते होते बचा है। मुंबई जा रही पंचवटी एक्सप्रेस के दो डिब्बे कसारा स्टेशन के पास अलग हो गए। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारियों (सीपीआरओ) के अनुसार, मुंबई की ओर आते समय सुबह 8 बजकर 40 मिनट पर कसारा स्टेशन के पास पंचवटी एक्सप्रेस के डिब्बे संख्या 3 और 4 अलग हो गए।

मध्य रेलवे के अधिकारियों के अनुसार, समस्या का तुरंत समाधान कर लिया गया। अधिकारी ने कहा कि सुबह 9 बजे तक डिब्बों को सफलतापूर्वक जोड़ दिया गया। ट्रेन की सुरक्षा और संरक्षा की पुष्टि करने के बाद, इसे मुंबई के लिए फिर से रवाना कर दिया गया।

35 मिनट के अंदर जोड़े गए डिब्बे

रेलवे अधिकारियों ने कहा कि ट्रेन को लगभग 35 मिनट तक रोका गया। हालांकि, इस हादसे में किसी को कोई नुकसान या चोट नहीं आई। अब उक्त लाइन पर ट्रेनें सुचारू रूप से चल रही हैं।

शिवसेना नेता पर हमले के विरोध में लुधियाना बंद की अपील वापस, पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लुधियाना (पंजाब)। लुधियाना में शिवसेना नेता नेता संदीप थापर गोरा उर्फ गोरा थापर पर हुए कातिलाना हमले के विरोध में हिंदू संगठनों ने आज लुधियाना बंद का एलान किया था लेकिन सुबह उसे वापस ले लिया गया। हिंदू संगठनों ने ये निर्णय आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद लिया है।

गोरा थापर पर हमला होने के बाद सभी हिंदू संगठन एक मंच पर आ गए थे। गोरा थापर के हक में पहले हिंदू संगठनों ने सिविल अस्पताल और बाद में डीएमसी अस्पताल में प्रदर्शन किया। डीएमसी अस्पताल इमरजेंसी के बाहर हिंदू संगठनों ने धरना देकर वहां पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की थी।

हिंदू संगठनों में रोष

लुधियाना में शुक्रवार को शिवसेना नेता नेता संदीप थापर गोरा उर्फ गोरा थापर पर हुए कातिलाना हमले के बाद हिंदू संगठनों का गुस्सा फूट पड़ा है। अब यह मामला पुलिस के गले की फांस बनता जा रहा है। गोरा थापर पर हमला होने के बाद सभी हिंदू संगठन एक मंच पर आ चुके हैं। गोरा थापर के हक में पहले हिंदू संगठनों ने सिविल अस्पताल और बाद में डीएमसी अस्पताल में प्रदर्शन किया। डीएमसी अस्पताल इमरजेंसी के बाहर हिंदू संगठनों ने धरना देकर वहां पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भी आड़े हाथ लिया।

सरेआम किरपाण लेकर चलने पर पाबंदी की मांग

शिवसेना पंजाब के चेयरमैन राजीव टंडन ने बताया कि पंजाब का हिंदू पूरी तरह से खतरे में है। चंद नौजवान निहंग बाणे में आते हैं और किरपानों से हमला करते हैं। निहंग बाणे की आड़ में कुछ गुंडा तत्व जिस किसी पर दिल करता है हमला कर फरार हो जाते है। हिंदू संगठनों ने मांग की है कि सरेआम किरपाण लेकर चलने पर सरकार पाबंदी लगाए।

बिहार में आकाशीय बिजली से 18 लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में बारिश जानलेवा साबित हो रही है। आकाशीय बिजली गिरने से 18 लोगों की मौत हो गई। भागलपुर में चार, बेगूसराय-जहानाबाद में तीन-तीन व्यक्ति की मौत हुई है, मधेपुरा-सहरसा में दो-दो लोगों की मौत हुई है। वहीं, काराकाट, वैशाली, छपरा में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है, हालांकि आपदा प्रबंधन विभाग ने अब तक 8 लोगों की मौत की ही पुष्टि की है।

आपदा प्रबंधन विभाग ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि भारी वर्षा होने और आकाशीय बिजली गिरने के संभावना को देखते हुए वह खेतों में ना रहे, सड़कों पर न रहे किसी पक्के मकान में रहें। बता दें कि उत्तर बिहार के कई जिलों में भारी वर्षा को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। अभी भी आसमान में बादल छाए हुए हैं , काले बादल आसमान में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही कई जिलों में बिजली चमकने और वज्रपात की संभावना भी है इसको लेकर मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है, बारिश के दौरान घरों से कम निकलने और पक्के घरों में रहने की बात कही है। वहीं, वज्रपात होने की स्थिति में खिड़कियां, दरवाजे बंद रखें, खुले हुए खिड़की, दरवाजे या मेटल के पाइप इत्यादि के पास खड़े नहीं रहें।

यूपी के 20 से अधिक शहरों में भारी बारिश की चेतावनी

उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का दौर अभी जारी रहने के आसार हैं। इसे लेकर मौसम विभाग ने चेतावनी भी जारी की है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, प्रदेश के 20 से अधिक शहरों में भारी बरसात के आसार हैं, इसे लेकर इन शहरों को ऑरेंज अलर्ट पर रखा गया है। जबकि कई हिस्से येलो जोन में हैं। पूरे प्रदेश में शुक्रवार को सुबह तक कहीं तेज बारिश तो कहीं मह्ज बूंदाबांदी हुई। जैसे बहराइच में सुबह 8.30 बजे तक 195 मिमी पानी बरस चुका था। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक, समुद्र तल पर मानसून टर्फ अपनी सामान्य स्थिति से थोड़ा दक्षिण की ओर से होते हुए जैसलमेर से सीकर, उरई, चुर्क, डाल्टनगंज, पुरूलिया एवं कोंटाई होते हुए उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। इसके अतिरिक्त पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं दक्षिणी-पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर बने दो अलग-अलग चक्रवाती परिसंचरण का प्रभाव है। प्रदेश में जारी सक्रिय मानसून की परिस्थितियों के कारण 2-3 दिनों के दौरान प्रदेश में कहीं तेज तो कहीं भारी बारिश के आसार हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।